



# Jain Engineers' Society News

Society Registration No. -IND/5887/2001, dtd 20.02.2002

For Social Cause

Year : 9, Edition : 11 Indore, 20 November, 2010

Page : 4 Rs. : 12/- (Yearly)

**JES THOUGHT :** None are so empty as those who are full of themselves - Benjamin Whichcote

## जेश का पांचवा राष्ट्रीय अधिवेशन

दि. 22 एवं 23 जनवरी 2011 पुष्पगिरी, सोनकच्छ, म.प्र.

जेश का पांचवा राष्ट्रीय अधिवेशन, उज्जैन चेप्टर की मेजबानी में दि. 22 एवं 23 जनवरी 2011, को पुष्पगिरी, सोनकच्छ में पंचकल्याणक महोत्सव के दौरान रखा गया है। उल्लेखनीय है कि पुष्पगिरी अतिशय क्षेत्र पर विशाल पंचकल्याणक महोत्सव की सम्पूर्ण प्लानिंग, आवास, जल, बिजली एवं सड़क संबंधित कार्य जेश को सौंपे गए हैं एवं कार्य प्रगति पर है। परम पूज्य आचार्य 108 श्री पुष्पदंत सागर जी महाराज की इच्छानुसार पंचकल्याणक महोत्सव के दौरान (दि. 16 से 25 फरवरी 2011) राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन किया गया है ताकि सभी सदस्य उनके परिवार के साथ आचार्य श्री एवं करीब 150 अन्य आचार्यों, मुनियों एवं साधवियों से आशीर्वाद प्राप्त कर सकें।

सभी सदस्य भोपाल, उज्जैन, देवास अथवा इंदौर होकर पुष्पगिरी पहुँचेंगे जहाँ ठहरने का उचित इंतजाम किया गया है। अधिकांश सदस्य दि. 21 रात्री अथवा 22 जनवरी प्रातः पुष्पगिरी पहुँचेंगे। राष्ट्रीय अधिवेशन दि. 22 शनिवार को होगा व शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम रखे गये हैं। रविवार दि. 23 को गंधर्वपुरी, मातमोर एवं देवबड़ला क्षेत्रों की बस द्वारा यात्रा रखी गई है ताकि यहाँ फैली हुई हजारों जैन प्रतिमाओं के दर्शन किंग्रे जा सकें एवं जैन धर्म की प्राचीन विरासत से रूबरू हो सकें। शाम को करीब पाँच बजे सभी सदस्य अपने अपने गंतव्य के लिए रवाना हो सकेंगे।

जेश फाउण्डेशन के अध्यक्ष इंजी. संतोष बन्दी ने सभी सदस्यों का आवाहन किया है कि अधिवेशन में अधिक से अधिक संख्या में भाग लें एवं कार्यक्रम को सफल बनाएं व धर्म लाभ भी लेंगे। उज्जैन चेप्टर के अध्यक्ष इंजी. सत्येन्द्र जैन ने सभी सदस्यों से अनुरोध किया है कि अपने परिवार के साथ अधिवेशन में पधारे एवं आने की सूचना दें ताकि उन्हें स्टेशन / एअरपोर्ट से लाने की समुचित व्यवस्था की जा सके।

॥ इंजी. सत्येन्द्र जैन, उज्जैन



## जेश द्वारा पुष्पगिरी पंचकल्याणक हेतु प्रेजेन्टेशन

आचार्य श्री पुष्पदंत सागरजी महाराज के सानिध्य एवं 150 पिच्छीधारी संतों की उपस्थिति में जनवरी 16 से 24 तक होने वाले पंचकल्याणक की तैयारियों ने जमीन पर आकार लेना शुरू कर दिया है। पंचकल्याणक में देश विदेश से लाखों लोगों के भाग लेने की संभावना है। बावनगजा में 2008 में हुए महामस्तकाभिषेक में जेश द्वारा सभी व्यवस्थाओं के सफलतापूर्वक संचालन के कारण पुष्पगिरी की समस्त व्यवस्थाओं की योजना एवं कार्यान्वयन की अभूतपूर्व जिम्मेदारी भी जेश को सौंपी गयी है। विशेष रूप से आवास, पानी एवं रोड़ की व्यवस्था का दायित्व हमने स्वीकार किया है।

पिछले छः माह से आचार्य श्री पुष्पदंत सागरजी महाराज, महामंत्री श्री अशोक दोषी एवं कोषाध्यक्ष श्री निर्मलजी के सानिध्य में सतत मिटिंग के बाद योजनाओं का क्रियान्वयन शुरू कर दिया गया है।

दिनांक 23.10.2010 को पुष्पगिरी में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी सभा में आचार्य श्री के सम्मुख देश भर से पधारे पुष्पगिरी ट्रस्टियों एवं सदस्यों की उपस्थिति में जेश सदस्यों इंजी. महेन्द्र पहाड़िया, अरुण कटारिया, प्रदीप जैन एवं निकेतन सेठी ने जब पॉवर पॉइंट प्रेजेन्टेशन के द्वारा सारी योजनाएं बताई तो सारे सदस्य अभिभूत हो गए। आचार्य श्री ने अपने उद्बोधन में कहा ये लोग प्रति शनिवार सुबह 6.30 बजे यहाँ आकर मुझसे चर्चा करते हैं एवं कार्य प्रगति पर विचार विमर्श करते हैं। इंजी.निकेतन सेठी ने सभी को बताया कि जेश के सभी सदस्य निःस्वार्थ एवं समर्पित भाव से यह सब कार्य कर रहे

॥ इंजी. निकेतन सेठी, इन्दौर



*With best Compliments from :*

**ITL INDUSTRIES LTD**

111, Sector-B, Sanwer Road, Indore, <http://www.itlind.com>

India's leading Metal Cutting Solution Provider and manufacturer of ERW Tube & Pipes Production Equipments.



# देश के विख्यात जैन वैज्ञानिक का सम्मान-समारोह

ज्ञान और विज्ञान जीवन के दो पहलू हैं  
जो हर पल जीवन की सत्यता से साक्षात्कार कराते हैं । (आईस्टीन)

दिनांक 24-10-2010 को पूज्य राष्ट्रसंत क्रान्तिकारी मुनि श्री तरुण सागर जी के मंगल सानिध्य में देश के दो निम्न विख्यात जैन वैज्ञानिक/इंजीनियरों का सार्वजनिक सम्मान तथा "जैन रत्न" अलंकरण समारोह नेहरू नगर प्रांगण, भोपाल में आयोजित किया गया, जिसमें जैन इंजीनियर्स सोसायटी इस आयोजन की सह प्रायोजक थी:-

1. श्री राजमल जैन ISRO के सीनियर साइंटिस्ट हैं और चन्द्रयान-2 योजना के प्रमुख ।
2. श्री भास्कर राव नालटे जैन, हिन्दुस्तान एयरोनाटिक्स प्रा. लि. के डिप्टी डायरेक्टर रहें, जिन्होंने डब्बे 21 में काफी सुधार करके उसकी कुशलता को बढ़ाया है । पायलेट विहीन लाइट काम्बेट एयरक्राफ्ट को डिजाइन में सहायनीय योगदान दिया ।

उक्त समारोह में जैन इंजीनियर्स सोसायटी के अध्यक्ष-इंजी. शरदचन्द्र सेठी, सचिव-इंजी. शरद कुमार सेठी, उपाध्यक्ष- इंजी. पी.सी.जैन एवं इंजी. महेन्द्र जैन, कोषाध्यक्ष- इंजी. एस.सी.जैन, सह सचिव- इंजी. अमिताभ मनयां एवं इंजीनियर्स सोसायटी के लगभग 50 सदस्य परिवार उपस्थित थे। वैज्ञानिकों का साल एवं श्रीफल से सम्मान किया गया तथा सम्मान स्वरूप जे.ई.एस. का प्रतीक चिन्ह भेंट किया गया ।



उम्मीद वक्त का सबसे बड़ा सहारा है,  
वैज्ञानिकों ने उसे कसौटी पर उतारा है ।  
सदुपयोग से ही जीवन का किनारा है,  
जियो और जीने दो हमारा नारा है ।।

□ इंजी.शरद सेठी सचिव, भोपाल चेप्टर

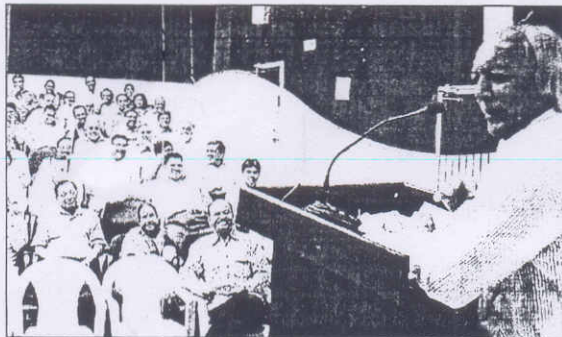
## शरद पूर्णिमा पर बुराईयों पर चले व्यंग्य बाण - काव्य संध्या

जेस इन्दौर चेप्टर एवं जीतो के सौजन्य से आयोजित काव्य संध्या का जेस इन्दौर के सदस्य परिवार एवं आमंत्रित गणमान्य नागरिकों ने देर रात तक लुत्फ उड़ाया। यह पहला आयोजन था जिसमें सदस्य परिवार देर रात तक गीत, गजल एवं कविताओं पर दाद देते रहे एवं ठहाके लगाते रहे।

प्रीतम लाल दुआ सभाग्रह में आयोजन की शुरुआत श्रीमति पूजा सक्सेना के गीतों से हुई। उनके गीतों ने एकांत और मौन की सांरगी झंकृत की तो वहीं वरिष्ठ कवियत्री श्रीमति किरण दुबे ने सरस गीतों की चौदनी छिटकाई। युवा कवि देवेन्द्र रिणवा ने पेड़ शीर्षक से कविताओं का पाठ करते हुए कहा कि आदमी के पहुँचते ही भय से ठंडा हो जाता है पेड़ तो लगा कि कोई सिहरन है जो श्रोताओं पर जारी होनी जा रही है। इस दौर के चर्चित कवि प्रदीप मिश्र ने विज्ञापनों की भाषा को अपनी रचनाओं में आड़े हाथों लिया तो संचालक प्रदीपकांत ने अपनी उम्दा गजलों से समा बांध दिया।

वरिष्ठ कवि एवं मुख्य अतिथि प्रो. सरोज कुमार को देर तक सुना गया। उन्होंने समाज, राजनितिक और मानवीय प्रवृत्तियों की बुराईयों को व्यंग्य की चासनी में लपेट कर श्रोताओं को खूब गुदगुदाया। अंत में ऐसा लगा काश यह रात और लंबी होती। वाकई शरद ऋतु की पूर्व संध्या पर कविताओं के रूप में अमृत ही बरसा था।

कार्यक्रम का संचालन सचिव इंजी. निकेतन सेठी ने किया, अतिथियों का स्वागत इंजी. राजेन्द्र सिंह जैन, इंजी. एन.के. जैन, इंजी. अशोक धनोते, इंजी. महेन्द्र पहाड़िया एवं श्रीमति रेखा राजेन्द्र जैन ने किया, आभार श्री रविन्द्र भाले ने माना। अतिथियों को स्मृति चिन्ह इंजी. विकास जैन, इंजी. शोलेन्द्र कटारिया, इंजी. सुरेश जैन, रेखा कटारिया, अलका धनोते, इंजी. संदीप जटाले और इंजी. राजेश जैन गुना वाले ने भेंट किए। कार्यक्रम के पश्चात सुस्वादू दूध एवं फलहारी नाश्ते का सभी ने आनंद लिया।



□ इंजी. निकेतन सेठी

## People are used and things are loved-

While a man was polishing his new car, his 4 yr old son picked stone & scratched lines on the side of car.

In anger, the man took the child's hand & hit it many times, not realizing he was using a wrench.

At the hospital, the child lost all his fingers due to multiple fractures.

when the child saw his father....with painful eyes he asked 'Dad when my fingers grow back?

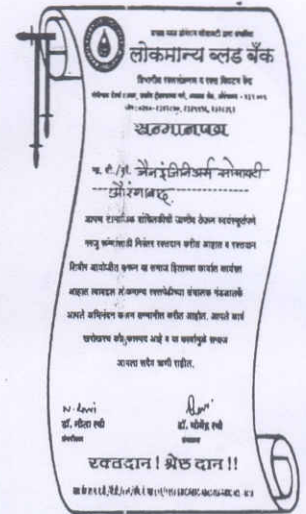
'man was so hurt and speechless, he went back to car and kicked it many times. Devastated by his own actions.. sitting in front of the car he looked at the scratches, child had written 'I LOVE YOU DAD.'

Next day that man committed suicide.

Anger and Love have no limits.

Always remember that -Things are to be used and people are to be loved but problem in today's world is that people are used and things are loved.

□ Er. Manoj Patni, JES -Aurangabad





# DIABETIC ? FINALLY GOOD NEWS FOR ALL DIABETICS

A woman (65) was diabetic for the last 20+ years and was taking insulin twice a day, she used the enclosed homemade medicine for a fortnight and now she is absolutely free of diabetes and taking all her food as normal including sweets .....

The doctors have advised her to stop insulin and any other blood sugar controlling drugs.

I request you all please circulate the email below to as many people as you can and let them take the maximum benefit from it.

AS RECEIVED :

DR. TONY ALMEIDA ( Bombay Kidney Speciality expert ) made the extensive experiments with perseverance and patience and discovered a successful treatment for diabetes.

Now a days a lot of people, old men & women in particular suffer a lot due to Diabetes.

Ingredients:

- |                       |                                 |
|-----------------------|---------------------------------|
| 1- Wheat flour 100 gm | 2- Gum (of tree) (gondh) 100 gm |
| 3- Barley 100 gm      | 4- Black Seeds (kalunji) 100 gm |

Method of Preparation Put all the above ingredients in 5 cups of water. Boil it for 10 minutes and put off the fire. Allow it to cool down by itself. When it has become cold, filter out the seeds and preserve the water in a glass jug or bottle..

How to use it?

Take one small cup of this water every day early morning when your stomach is empty.

Continue this for 7 days. Next week repeat the same but on alternate days. With these 2 weeks of treatment you will wonder to see that you have become normal and can eat normal food without problem.

Note: A request is to spread this to as many as possible so that others can also take benefit out of it.

□ Surendra Jain

## जगतमान्य बीसवीं सदी के प्रथम दिगम्बरचार्य चारित्र श्री शांतिसागराय नमः

श्रीमद परमपूज्य प्रातः स्मरणीय, त्रिकाल वन्दनीय, शिरोमणी, योगीन्द्र तिलक, धर्म साम्राज्य-नायक, दिगम्बरत्व रक्षक जिनवाणी रक्षक यथाजात जिनमुद्रा संस्थापक, जिनशासन रवि, 84 वर्ष की उम्र में 58 वर्ष के उपवासकर्ता, सिंहनिकीडन व्रतकर्ता, सम्यक्त्व निलय, ज्योतिर्पुंज क्षमामूर्ति, करुणानिधि घोरातिघोर उपसर्ग-विजेता, इतिहास के प्रथम गुरुणा गुरु, चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री 108 श्री शांतिसागर जी महाराज की ऐतिहासिक स्वर्णिम सैकड़ों वर्षों के अन्तराल के पश्चात आचार्य पदारोहण (अश्विन शुक्ला ग्यारस, सन 1924 समडोली, महाराष्ट्र) की 86 वीं जयन्ति दि. 19.10.2010 को परमपूज्या गणिनी प्रमुख आर्यिका शिरोमणी 105 श्री ज्ञानमति जी माताजी द्वारा उद्घोषित प्रथमाचार्य श्री शांतिसागर वर्ष प्रस्तुत-विनयांजलि:-

‘श्रमण धर्म पुनि किया उजागर’, नग्न दिगम्बर वेश धरा ।  
‘धन्य हुई मंगल-विहार से, पावन भारत-वसुंधरा ।। ।।  
‘सहे घोर उपसर्ग निभाई, अंकपन-परम्परा ।’  
‘आद्याचार्य बीसवीं सदी के, शांतिसागराचार्य’ वरा ।।2।।  
कण्ठहार बन नागराज ने फन फैला सिर छत्र धरा ।  
‘चढ़ी चीटियों सारे तन पर, किंतु न किंचित ध्यान टरा ।।3।।  
‘नग्न भ्रमण-प्रतिबंधों से भी, गुरुवर का मन नहीं डरा ।  
‘बैर-विरोधी, नृपजन ने भी, चरणों में निज शीश धरा ।।4।।  
शांतिसिंधु के सत्याग्रह ने, शासन से मनवाई हार ।  
मनमानी शासन की रोकी, न्यायालय ने आखिर कार ।।5।।  
जिन मंदिर-प्रवेश अधिकारी, मात्र जैन जन ही होवे ।  
‘नहीं अन्य अधिकारी वह फिर, चाहे कोई भी होवे ।।6।।  
‘पुष्पदंत और भूतबली’ ने, ताड़पत्र पर ग्रंथ लिखे ।  
जीर्ण-शीर्ण हो गये ‘मूढ बद्धी, में यों ही रखे-रखे ।।7।।  
हुये सुरक्षित ग्रन्थ, ‘ताम्र-पत्रों पर जब उत्कीर्ण’ हुये ।  
यों श्री शांति-सिन्धु, मुनि-पुंगव, श्री श्रुत-रक्षक अमर हुये ।।8।।  
अष्टादश शिष्यों को गुरु ने, निज-सम गुरु बनाया था ।  
मुनि आर्यिका कुल्लक-ऐलक, चउ विधि संघ रचाया था ।।9।।  
नैन ज्योति जब, क्षीण भई, तो कुंथल गिरी जा लई समाधि ।  
लख समाधि हो गई हरी, देश कुल भूषण मुनि की यादि ।।10।।  
‘छियासीवी आचार्य पदारोहण, बेला’ विश्ववन्ध्य करुणा के धाम ।  
यावत पंचम काल नमेगा, जिनको आओं याम ।।11।।  
जब तक सूर्य चन्द्रमा जग में, अमर रहेगा जिनका नाम ।  
ऐसे चारित्र चक्रवर्ती चरणन में, कोटिशः बार- बार करे प्रणाम ।।12।।  
रचियता : कविश्री ताराचन्द्र जी पाटनी, अजमेर

Dear Fellow Engineers,

Many Many Happy New Year with the warmest wishes to you & your family from the bottom of our hearts.

Thanks a lot for the warm response to “Puzzle Point”.

Now, enjoy Puzzle Point # 2...

Er. MP Shah, GNFC, Bharuch, Gujarat.

### Puzzle Point # 1 : Protection Wall

Answer : Total rise in weight of the earth is 0 Kg. (As all materials are already there on the earth.)

**Congratulations to all who had solved Puzzle Point # 1 successfully.**

Names are displayed in order of answer received.			
Sr. No.	Name of Participants	Global ID No.	City
1	Er. Suresh Kasliwal	101269	Bhopal
2	Er. Vaibhav Shah	102109	Indore
3	Er. Rajiv Parekh		Indore
4	Er. Stuti Jain		Ujjain
5	Er. M L Nagori	100122	Indore
6	Er. Arvind Barjatya	101692	Indore
7	Er. Aayush Jain		

**Pl. write your Name, G.ID No., Organisation, City, etc. while sending your answer. Such details will help us to identify you and compilation of correct participants for displaying their name.**

Correct answers are received from following participants.

### Puzzle Point # 2

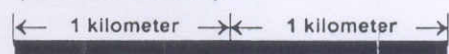
Date : 20/11/2010

Jain Engineers Society News

Puzzle Master : Er. M P Shah, GNFC, Bharuch, Gujarat.

### "Average speed?"

A car travels from point A to point B equal to 1 km at a speed of 30 Kmph. How fast would the car have to travel from point B to point C equal to 1 km to average 60 Kmph for the entire trip?



Send answer to : cmpshah@gmail.com (B4 07/12/10)



# TRUE INSPIRING STORY WHEN A LIZARD CAN, WHY CAN'T WE ?

This is a true story that happened in Japan. In order to renovate the house, someone in Japan breaks open the wall. Japanese houses normally have a hollow space between the wooden walls. When tearing down the walls, he found that there was a lizard stuck there because a nail from outside hammered into one of its feet. He sees this, feels pity, and at the same time curious, as when he checked the nail, it was nailed 5 years ago when the house was first built !!! What happened?

The lizard has survived in such position for 5 years! In a dark wall partition for 5 years without moving, it is impossible and mind-boggling. Then he wondered how this lizard survived for 5 years! without moving a single step—since its foot was nailed!

So he stopped his work and observed the lizard, what it has been doing, and what and how it has been eating.

Later, not knowing from where it came, appears another lizard, with food in its mouth.

Ah! He was stunned and touched deeply.

For the lizard that was stuck by nail, another lizard has been feeding it for the past 5 years...

Imagine? it has been doing that untiringly for 5 long years, without giving up hope on its partner.

Imagine what a small creature can do that a creature blessed with a brilliant mind can't.

Please never abandon your loved ones

## Lesson from the Story:

Never Say you are Busy When They Really Need You ...

You May Have The Entire World At Your Feet.

But You Might Be The Only World To Them..

A Moment of negligence might break the very heart which loves you thru all odds..

Before you say something just remember..it takes a moment to Break but an entire lifetime to make...



Er Lalit Sanghavi, Mumbai

## Free Membership of Jain Engineers' Society

For Noble cause join Jain Engineers Society . Get free copy of this news letter every month .All sect of Jain Engineers and Diploma Holders can apply on line at [www.jainengineerssociety.com](http://www.jainengineerssociety.com) or post your application giving Name, Fathers name, spouse name, DOB, and full local address and permanent address with phone and E mail. You can open local Chapters in your City / Town, contact Secretary General JES Foundation at [atjainengineers@eth.net](mailto:atjainengineers@eth.net) or post to 144 Kanchan Bag Indore 452002

## CONTACT FOR LOCAL CHAPTERS

INTERNATIONAL FOUNDATION	- Er. Santosh Bandi (President) (M) 9300023181 Er. Santosh K. Jain, Indore (General Secretary), (M) 9993063331
INDORE CHAPTER	- Er. N.K. Jain (President), (M) 9827070556 Er. Niketan Sethi (Hon. Secretary), (M) 09425020429
BHOPAL CHAPTER	- Er. Sharad Chand Sethi, (President), (M) 9893650291 Er. Sharad Sethi (Hon. Secretary), (M) 09425060804
KOTA CHAPTER	- Er. Ajay Bakliwal, (President), (M) 09829036056, Er. R.K. Jain (Hon. Secretary), (M) 9414726829
UJJAIN CHAPTER	- Er. Deepak Jain, (President), (M) 09425050484 Er. Bharat Shah (Hon. Secretary), (M) 9826057049
JAIPUR CHAPTER	- Er. Akhilesh Jain (President) Ph : 0141-2396283, (M) 98290-53981 Er. R.K. Sethi, (M) 98292-55130
SAGAR CHAPTER	- Er. Neelesh Jain, (President) Ph : 07582-244901, (M) 9329738680
HARIDWAR CHAPTER	- Er. Ashok Kumar Jain, (President) Ph : 1334-234856, (M) 09837099348
SANGLI CHAPTER	- Er. Bhaskar Kognole, (President) Ph : 0233-2320600
KANPUR CHAPTER	- Er. S.K. Jain, (President) Ph : 0512-2553457, Patron-Shriyut Shripal ji Jain (M) 98395-47676
VIDISHA CHAPTER	- Er. Anil Jain, (President) Ph : 07592-232295
MUMBAI CHAPTER	- Er. Lalit Sanghavi (President) (M) 98210-16736
NAGPUR CHAPTER	- Er. Rajeev Jain (President) (M) 9881741032, 9960085566
DELHI CHAPTER	- Er. Subhash Jain (President) Ph : 011-24638792(O)
AURANGABAD	- Er. Rajesh Patney (M) 09370068601, Er. Chetan Thole (M) 09822791020
BANGLORE CHAPTER	- Er. Ajit Jain -099019 48892

## NEW CHAPTERS

JODHPUR CHAPTER, JHANSI CHAPTER, BHILWARA CHAPTER, AJMER CHAPTER, GWALIOR CHAPTERS, AGRA CHAPTER, AHMEDNAGAR CHAPTER NASIK CHAPTER, WASIM CHAPTER, SURAT CHAPTER

इस पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों, संकलन एवं विचारों के लिए लेखक/प्रेषक/संकलनकर्ता स्वयं उत्तरदायी है, सम्पादक एवं सम्पादक मण्डल का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। पत्रव्यवहार के लिए पता- जैन इंजीनियर्स सोसायटी, 7-डायमंड कॉलोनी, अग्रवाल स्टोर्स के पीछे, एम.जी. रोड, इन्दौर-452 001 (भारत)  
फोन: 0731-3044602 E-mail-jainengineers@eth.net, Website- [www.jainengineerssociety.com](http://www.jainengineerssociety.com)

## BOOK-POST PRINTED MATTER

RNI : MPBIL/2004/13588  
डाक पंजी. क्र. आयडीसी/विद्युज/1130/2009-11

TO,

If undelivered, please return to:

Jain Engineers' Society, 144, Kanchan Bagh, Indore 452001 (M.P.)

Owned & Published by Rajendra Singh Jain From 144, Kanchan Bagh, Indore (M.P.) & Printed by Nirmal Graphics Press, 340, Nayapura, Indore (M.P.)

Editor - Er. Rajendra Singh Jain